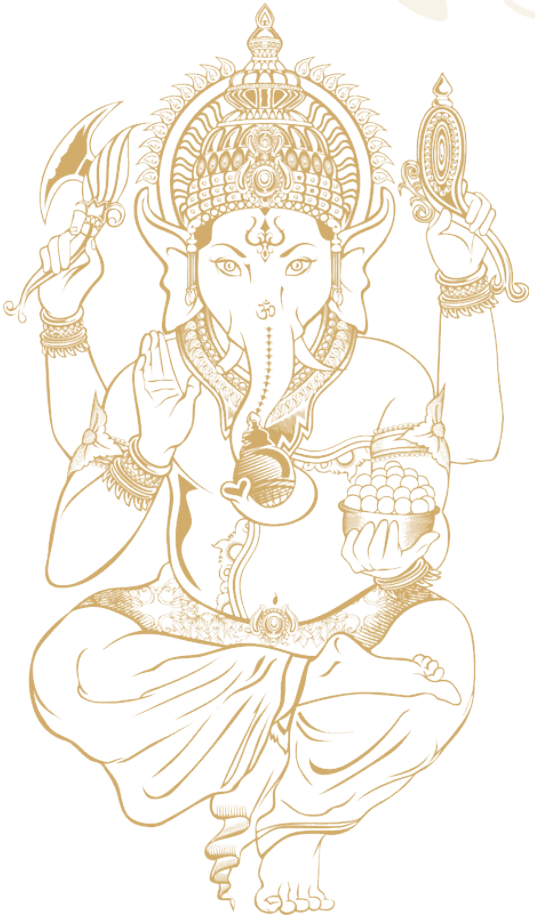

Shikhar Kumar

24 May 1997

11:36 AM

Patna

Model: web-freekundliweb

Order No: 121754602

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**24/05/1997**
दिन	शनिवार
जन्म समय	**11:36:00 घंटे**
इष्ट	16:29:06 घटी
स्थान	**Patna**
राज्य	Bihar
देश	India

अक्षांश	25:37:00 उत्तर
रेखांश	85:12:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	00:10:48 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	11:46:48 घंटे
वेलान्तर	00:03:12 घंटे
साम्पातिक काल	03:54:20 घंटे
सूर्योदय	05:00:21 घंटे
सूर्यास्त	18:31:58 घंटे
दिनमान	13:31:37 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	ग्रीष्म
सूर्य के अंश	09:17:44 वृष
लग्न के अंश	08:00:59 सिंह

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	सिंह - सूर्य
राशि-स्वामी	**धनु - गुरु**
नक्षत्र-चरण	**मूल - 1**
नक्षत्र स्वामी	केतु
योग	साध्य
करण	गर
गण	राक्षस
योनि	श्वान
नाड़ी	आद्य
वर्ण	क्षत्रिय
वश्य	मानव
वर्ग	मृग
युँजा	अन्त्य
हंसक	अग्नि
जन्म नामाक्षर	ये-येरुसलम
पाया(राशि-नक्षत्र)	रजत - ताम्र
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	मिथुन

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			सिंह	08:00:59	319:44:39	मघा	3	10	सूर्य	केतु	गुरु	---
सूर्य			वृष	09:17:44	00:57:38	कृतिका	4	3	शुक्र	सूर्य	शुक्र	शत्रु राशि
चंद्र			धनु	02:52:16	13:47:14	मूल	1	19	गुरु	केतु	शुक्र	सम राशि
मंगल			सिंह	26:47:12	00:16:18	उ०फाल्गुनी	1	12	सूर्य	सूर्य	सूर्य	मित्र राशि
बुध			मेष	14:11:42	01:01:38	भरणी	1	2	मंगल	शुक्र	शुक्र	सम राशि
गुरु			मक	27:40:29	00:03:09	धनिष्ठा	2	23	शनि	मंगल	गुरु	नीच राशि
शुक्र			वृष	22:47:57	01:13:34	रोहिणी	4	4	शुक्र	चंद्र	सूर्य	स्वराशि
शनि			मीन	22:45:57	00:05:57	रेवती	2	27	गुरु	बुध	चंद्र	सम राशि
राहु	व		कन्या	02:29:13	00:10:12	उ०फाल्गुनी	2	12	बुध	सूर्य	गुरु	मूलत्रिकोण
केतु	व		मीन	02:29:13	00:10:12	पू०भाद्रपद	4	25	गुरु	गुरु	राहु	मूलत्रिकोण
हर्ष	व		मक	14:48:13	00:00:32	श्रवण	2	22	शनि	चंद्र	गुरु	---
नेप	व		मक	06:00:22	00:00:42	उत्तराषाढ़ा	3	21	शनि	सूर्य	बुध	---
प्लूटो	व		वृश्चि	10:26:34	00:01:39	अनुराधा	3	17	मंगल	शनि	सूर्य	---
दशम भाव			वृष	06:54:44	--	कृतिका	--	3	शुक्र	सूर्य	बुध	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:49:12

लग्न-चलित

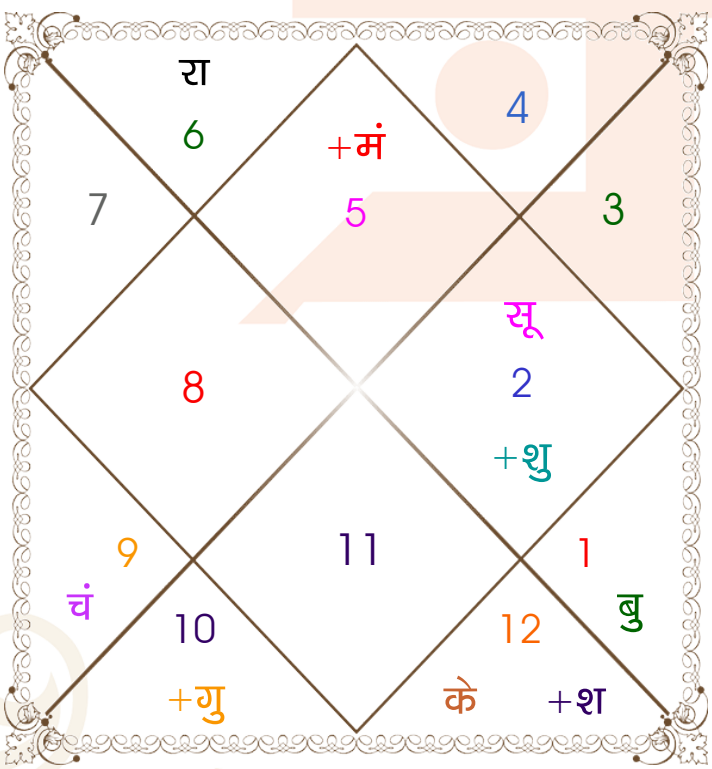

चन्द्र कुंडली

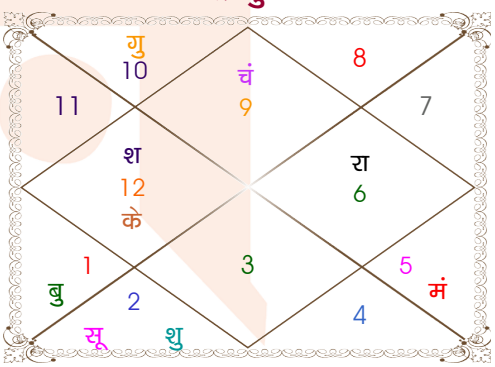

नवमांश कुंडली

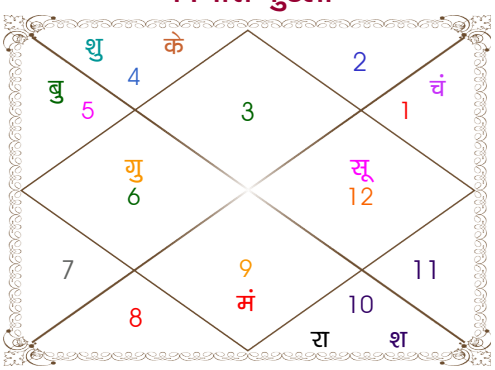

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : केतु 5 वर्ष 5 मास 27 दिन

केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष	
24/05/1997		20/11/2002		20/11/2022		20/11/2028		20/11/2038	
20/11/2002		20/11/2022		20/11/2028		20/11/2038		20/11/2045	
	24/05/1997	शुक्र	22/03/2006	सूर्य	10/03/2023	चंद्र	20/09/2029	मंगल	18/04/2039
शुक्र	18/06/1997	सूर्य	22/03/2007	चंद्र	08/09/2023	मंगल	21/04/2030	राहु	06/05/2040
सूर्य	24/10/1997	चंद्र	20/11/2008	मंगल	14/01/2024	राहु	21/10/2031	गुरु	12/04/2041
चंद्र	25/05/1998	मंगल	20/01/2010	राहु	08/12/2024	गुरु	19/02/2033	शनि	22/05/2042
मंगल	21/10/1998	राहु	20/01/2013	गुरु	26/09/2025	शनि	20/09/2034	बुध	19/05/2043
राहु	08/11/1999	गुरु	21/09/2015	शनि	08/09/2026	बुध	20/02/2036	केतु	15/10/2043
गुरु	14/10/2000	शनि	20/11/2018	बुध	16/07/2027	केतु	20/09/2036	शुक्र	14/12/2044
शनि	23/11/2001	बुध	20/09/2021	केतु	20/11/2027	शुक्र	22/05/2038	सूर्य	21/04/2045
बुध	20/11/2002	केतु	20/11/2022	शुक्र	20/11/2028	सूर्य	20/11/2038	चंद्र	20/11/2045

राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष	
20/11/2045		20/11/2063		20/11/2079		20/11/2098		21/11/2115	
20/11/2063		20/11/2079		20/11/2098		21/11/2115		00/00/0000	
राहु	02/08/2048	गुरु	08/01/2066	शनि	23/11/2082	बुध	19/04/2101	केतु	19/04/2116
गुरु	27/12/2050	शनि	21/07/2068	बुध	02/08/2085	केतु	16/04/2102	शुक्र	25/05/2117
शनि	02/11/2053	बुध	27/10/2070	केतु	11/09/2086	शुक्र	14/02/2105		00/00/0000
बुध	21/05/2056	केतु	03/10/2071	शुक्र	11/11/2089	सूर्य	21/12/2105		00/00/0000
केतु	09/06/2057	शुक्र	03/06/2074	सूर्य	24/10/2090	चंद्र	23/05/2107		00/00/0000
शुक्र	08/06/2060	सूर्य	22/03/2075	चंद्र	24/05/2092	मंगल	19/05/2108		00/00/0000
सूर्य	03/05/2061	चंद्र	21/07/2076	मंगल	03/07/2093	राहु	06/12/2110		00/00/0000
चंद्र	02/11/2062	मंगल	27/06/2077	राहु	09/05/2096	गुरु	13/03/2113		00/00/0000
मंगल	20/11/2063	राहु	20/11/2079	गुरु	20/11/2098	शनि	21/11/2115		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल केतु 5 वर्ष 5 मा 25 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म मघा नक्षत्र के तृतीय चरण में सिंह लग्नोदय काल में हुआ था। जन्मकाल मेदिनीय क्षितिज पर सिंह लग्न के साथ-साथ मिथुन राशि का नवमांश एवं सिंह राशि का द्रेष्काण भी उदित था। आपके जन्मकालिक प्रभाव से ऐसा दृष्टिगोचर हो रहा है कि आप सर्वविद्या संपन्न, सभी सुविधाओं से युक्त, सौभाग्यशाली पुरुषों में अद्वितीय है। आपके जन्म से यह आनंद युक्त प्रभावशाली जीवन प्राप्त हुआ है। आप में सभी प्रकार के अपेक्षित गुण विद्य मान है। आपका व्यक्तित्व प्रभावशाली सुंदर, पूर्ण विकसित अंग के साथ-साथ चौड़ा कंधा, एवं आंखें आकर्षक है। आप विद्वान, संपूर्ण गुणों से युक्त एवं सक्षम अपने उद्देश्य के लिए समर्पित पूर्ण निष्ठावान, आश्वस्त तथा साहसी पुरुष हैं।

आप में उत्तम प्रकार का चारित्रिक बल विद्यमान है। आप में ऐसे प्राकृतिक गुण हैं कि आपकी अच्छी आय की प्राप्ति होगी तथा जनसामान्य द्वारा अधिकार पूर्ण सम्मान भी प्राप्त होगा। आप मित्रों के द्वारा समर्थित शुभाकांक्षी एवं अपने पारिवारिक सदस्यों द्वारा पसंद एवं श्रद्धावान होगें।

आप में जन्म से नेतृत्व के सभी गुण विद्यमान हैं। आप अपने व्यवसाय में उच्च स्तरीय उन्नति करेंगे। आप कार्य व्यवसाय के बारे में आत्म समर्पित होकर उसके पीछे-पीछे वैधानिक रीति से अपने उद्देश्य में सफल हो, तो आप दूसरे के आदेश को ग्रहण नही करते।

आप गंभीर विषयों पर स्वयं विचार कर निर्णय लेंगे परंतु छोटी बातों पर विचार हेतु अपने अधिनस्थ कार्यकर्त्ता पर छोड़ देंगे। क्योंकि आप बड़ी कंपनी अथवा कारपोरेशन के उच्च कोटि के पद पर आसीन होकर लाभान्वित होंगे।

आप अपने अभिभावक के प्रति पूर्ण आस्थावान एवं समर्पित व्यक्ति हैं तथा आपका सुझाव धार्मिक एवं अध्यात्म की ओर है एवं आप इच्छुक तथा जरूरत मंद लोगों की सहायता अवश्य करते हैं। आप दानशील हैं तथा आपकी इच्छा रहती है कि यदि धन उपलब्ध हो तो निश्चित रूप से दान पुण्य तथा जरूर मंद अन्य लोगों की मदद करें।

आप जनसामान्य की नजरों में एक प्रभावशाली महत्वाकांक्षी होकर समाजसेवी के रूप में अपनी धाक जमाने वाले हैं। इस प्रकार की भावनाओं की पूर्ति हेतु आपको अपनी छोटी थैली को धन से सुदृढ़ करना पड़ेगा। आप चाहते हैं कि आप अपने परिवार सहित किसी भी धार्मिक तथा सामाजिक सम्मेलन में भाग लेकर बहुत धन दान कर आयोजन को सफल बनाने का कार्य करें। साथ ही आप अपने गृह को सुंदर बनावट एवं सुसज्जित कर अपने मित्रों की दृष्टि में सम्मानित हों। परिणाम स्वरूप एक दिन आपको यह अनुभव करना होगा कि मेरी धन संपत्ति की बड़ी क्षति होगी। अतः आपको अपनी उच्च आय के प्रति सामंजस्य व्ययकारी प्रवृति में बदलाव लाना चाहिए ताकि कालांतर में अति व्ययकारी प्रवृति के प्रति पश्चाताप न करना पड़े।

सामान्यतया आपका स्वास्थ्य उत्तम रहेगा परंतु आपकी उत्तेजनात्मक प्रवृत्ति जीवन

को क्षयरोग से बाधित कर सकता है। यह संभव है कि आप की बृद्धावस्था हृदय रोग एवं मेरुदंडीय कष्ट से युक्त हो। आपको अपनी उत्तेजनात्मक प्रवृत्ति, अति भोजन मद्यपान आदि सभी हानिकारक वस्तुओं का एक साथ त्याग कर देना चाहिए।

आप वास्तव में अपने मित्रों के मित्र हैं। आप अपने ढंग से उनकी मदद करेंगे। ताकि एक व्यक्ति ही नही सभी व्यक्तियों के द्वारा आप महत्वपूर्ण एवं सम्मानित समझे जाएं।

आपके लिए साप्ताहिक दिनों में भाग्यशाली दिन रविवार, मंगलवार, और गुरुवार का दिन किसी भी बड़े कार्यों को प्रारंभ करने के लिए उपयुक्त एवं ठीक है। परंतु बुधवार, शुक्रवार एवं शनिवार का दिन आपके नये कार्य-कलाप के प्रारंभ करने हेतु अनुपयुक्त हैं। कृपया इन तीन दिनों को अव्यवहारणीय समझे। सोमवार आप के लिए मध्य फलदायक है।

आपके लिए भाग्यशाली अंक 1, 4 5, 6 एवं 9 अंक अनुकूल है। परंतु अंक 2, 7 एवं 8 अंक आपके लिए अनुपयुक्त अर्थात् विरोधात्मक है।

आप यदि अधिक लाभ उपार्जित करना चाहते हैं तो रंग नारंगी, लाल एवं हरे रंग के वस्त्रों का व्यवहार करें परंतु काला और सफेद रंग आपके लिए त्याज्यनीय है।